Impact of IA strike

6885. SHRI SUSHILKUMAR SAMBHAJIRAO SHINDE:
SHRIMATI VEENA VERMA:

Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the news-item published in the 'Evening News' of December 10, 1993 to the effect that IA strike was a boon to privateers; and

(b) if so, what was the total loss of public sector Indian Airlines, vis-a-vis the profitability of each of the private airlines?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI GHULAM NAB AZAD): (a) The news-item appeared in the Hindustan Times (Evening News) on 16th December, 1993.

(b) The loss suffered by Indian Airlines due to the one day strike of its employees on 17th December, 1993 is approximately Rs 39 lakhs. Private Air Taxi operations are not required to disclose the amount of revenue/profit earned in a particular day. It is not possible to quantify the profits made by private airlines on account of the said strike by Indian Airlines employees.

तीर्थ यात्रियों को विमान किरायों में छूट

6886. **श्री नारायण प्रसाद गुप्ता** : क्या **नागर विमानन और पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) हज यात्रियों को हज यात्रा के लिए निर्धारित किरायों में कितने प्रतिशत की छूट दी जा रही है और कब से, 1992-93 और 1993-94 के बजट में अलग-अलग रूप से कितनी-कितनी राज सहायता दी गई है ;

(ख) क्या सरकार ननकाना साहिब और काठमांडु की तीर्थयात्रा के लिए अन्य धर्मों के अनुयायियों को इस तरह की छूट देने पर विचार कर रही है ;

(ग) यदि नहीं, तो क्या सरकार उपयुक्त उक्त छूट को धीरे-धीरे समाप्त करना आवश्यक समझती है; और

(घ) क्या यह सच है कि विदेश मंत्रालय ने आपके विभाग से किरायों में छूट की सुविधा समाप्त करने की मांग की है ?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री गुलाम नबी आजाद) : (क) वर्ष 1990 से 1992 की अवधि के लिए हज तीर्थ यात्रियों को अनुसूचित किरायों पर दी गई छूट का प्रतिशत विवरण में बताया गया है । (नीचे देखिए) वर्ष 1993 में एयर इंडिया द्वारा चार्टर किए गए विमानों से हज प्रचालन किए गए थे । चार्टर किराया 18,000/-रुपए था और तीर्थ यात्री किराया 11,000/-रुपए था । सरकार ने एयरलाइनों को वर्ष, 1987, 1988, 1989, 1990 और 1991 की प्रचालना सम्बन्धी हानियों की प्रतिपूर्ति करने और वर्ष 1992 और 1993 में प्रति हज यात्री राज सहायता के आधार पर एयरलाइनों को भुगतान करने का निर्णय लिया ।

वर्ष 1992-93 और 1993-94 के बजट में एयरलाइनों को भुगतान की गई हानियों की प्रतिपूर्ति/राज सहायता इस प्रकार है :—

1992-93	9.00 करोड़ रुपए
1993-94	30.89 करोड़ रुपए

30.89 करोड़ रुपए की यह राशि, राजसहायता-प्राप्त किरायों पर हज तीर्थ यात्रियों को वहन करने के लिए एयरलाइनों को देय भुगतानों से सम्बन्धित है।

(ख) इस समय ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है ।

(ग) विमान किरायों में राजसहायता का अंश कम करने के लिए सरकार की कोशिश रही है । वर्ष 1994 में इस संबंध में शुरूआत की गई है और हज तीर्थ यात्रियों के लिए सरकार द्वारा मंजूर की गई राजसहायता वर्ष 1993 में दी गई राजसहायता की राशि के मुकाबले कम है ।

(घ) नागर विमानन मंत्रालय को ऐसा कोई प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है ।

विवरण

हज चार्टर किराया

सैक्टर	वर्ष	सामान्य आयटा इकोनामी श्रेणी किराया भारतीय रुपए में (राउंड/ट्रिप)	भारतीय रु० में केन्द्रीय हज समिति को हज चार्टर किराया	आयटा किरायों पर प्रस्तावित छूट का प्रतिशत (भारतीय रुपयों में)
डीडीएम/जेईडी/बीओएम	मार्च 1990	10,144 रुपए	8,085 रुपए	20.3 प्रतिशत
डीईएल/जेईडी/डीईएल	"	10,144 रुपए	8,310 रुपए	18.1 प्रतिशत
एमएए/जेईडी/एमएए	"	13,872 रुपए	9,870 रुपए	28.8 प्रतिशत
सीसीयू/जेईडी/सीसीयू	"	12,500 रुपए	कोई प्रचालन नहीं	—
बीओएम/जेईडी/बीओएम	मई, 1991	14,056 रुपए	10,000 रुपए	28.9 प्रतिशत
डीईएल/जेईडी/डीईएल	"	14,056 रुपए	10,000 रुपए	28.9 प्रतिशत
एमएए/जेईडी/एमएए	"	18,184 रुपए	12,070 रुपए	33.6 प्रतिशत
सीसीयू/जेईडी/सीसीयू	"	17,319 रुपए	रायल जोर्डियन द्वारा वहन	—
बीओएम/जेईडी/बीओएम	मई, 1992	19,561 रुपए	10.500 रुपये	46.6 प्रतिशत
डीईएल/जेईडी/डीईएल	"	19,561 रुपए	10,500 रुपए	46.3 प्रतिशत
एमएए/जेईडी/एमएए	"	26,778 रुपए	12,674 रुपए	52.6 प्रतिशत
सीसीयू/जेईडी/सीसीयू	"	24,101 रुपए	11,970 रुपए	50.3 प्रतिशत

नोट:– आईएनआर–भारतीय रुपए
सीएचसी–केंद्रीय हज समिति
आरजे –रायल जौर्डियन एयरलाइंस
आर/टी–राउंड ट्रिप